अध्याय 17

सूचना, शिक्षा और संप्रेषण

17.1 परिचय

सूचना, शिक्षा और सम्प्रेषण (आईईसी) कार्यनीति का उद्देश्य मंत्रालय की विभिन्न स्कीमों/कार्यक्रमों के अंतर्गत उपलब्ध लाभों के संबंध में जागरूकता पैदा करना और स्वस्थ रहने की भावना के संबंध में सूचना का प्रचार–प्रसार करना है। आईईसी का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मांग का सृजन करना और स्वस्थ रहने की भावना को बढ़ावा देना है। आईईसी कार्यनीति ने सम्प्रेषण के विभिन्न साधनों के माध्यम से ग्रामीण और शहरी जनसंख्या की विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति की है।

17.2 नीतिगत आईईसी/सम्प्रेषण योजना

मंत्रालय ने लक्षित आईईसी कार्यकलापों के लिए चहुँमुखी सम्प्रेषण दृष्टिकोण को अपनाते हुए नीतिगत ढांचे की रूपरेखा तैयार की है। विभिन्न स्वास्थ्य स्कीमों के बारे में सूचना का प्रचार–प्रसार करने के लिए मास–मीडिया, मिड–मीडिया तथा अन्तर–वैयक्तिक कार्यकलापों सहित सभी सम्भव साधनों का उपयोग किया जाता है। पूरे वर्ष की आईईसी/सम्प्रेषण योजना में स्वास्थ्य दिवसों और स्वास्थ्य संबंधी विषयों को माह–वार दर्शाया गया है। जबकि कुछ कार्यकलापों को 'स्वास्थ्य दिवसों' के साथ प्रारंभ किया गया था वहीं अन्यों को मंत्रालय की स्कीमों के बारे में संकेंद्रित मल्टी–मीडिया अभियानों के लिए बनाई गई साप्ताहिक और मासिक योजनाओं के साथ प्रारंभ किया गया था। आयुष्मान भारत, प्रतिरक्षण, क्षय रोग प्रबंधन, एनीमिया मुक्त भारत, एकीकृत अतिसार नियंत्रण पखवाड़ा (आईडीसीएफ) स्तनपान सप्ताह, तम्बाकू नियंत्रण इत्यादि जैसे केंद्र उन्मुख विषय तथा डेंगू, एच1एन1 इत्यादि जैसी मौसमी बीमारियों से लक्षित अभियानों के माध्यम से निपटा जाता है।

सभी आईईसी कार्यकलापों में दूरदर्शन और रेडियो योजनाओं के माध्यम से प्रिंट मीडिया अवयव के साथ–साथ व्यापक एवी स्पॉट्स भी शामिल थे। सोशल मीडिया और आउटडोर

सीपीएचसी के लिए एचडब्ल्यूसी को कार्यशील बनाने के संबंध राष्ट्रीय परामर्श, 1–2 मई, 2018

पार्टनर्स फोरम, 2018, नई दिल्ली

पार्टनर्स फोरम, 2018, नई दिल्ली

मीडिया कार्यकलापों ने आईईसी संबंधी प्रयासों को पूर्ण रूप से सुदृढ़ बनाया है। मीडिया प्लान को उच्चतर स्तर पर मॉनिटर किया गया था ताकि आवश्यकताओं के अनुरूप ठोस कार्यान्वयन, मध्यावधि सुधार तथा सम्भावित परिवर्तन को सुनिश्चित किया जा सके। मंत्रालय ने आयुष्मान भारत कार्यक्रम के संबंध में, विशेष रूप से स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों के बारे में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया तथा पीएमएसएसवाई के हिस्से के रूप में नए एम्स स्वीकृत किए गए तथा क्रियाशील बनाए गए और वैश्विक स्वास्थ्य कार्यक्रम – पार्टनर्स फोरम 2018 का प्रिन्ट, आउटडोर और सोशल मीडिया के माध्यम से शुभारंभ किया गया। इसे मीडिया आउटरीच के माध्यम से माननीय स्वास्थ्य मंत्रियों द्वारा ऑप–ऐड कुछ चुनिंदा समाचार–पत्रों में माननीय मंत्रियों और सचिव (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण) के प्रश्नों और उत्तरों तथा संबंधित लेखों के माध्यम से पूरा किया गया था।

17.3 क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय (डीएफपी) के साथ भागीदारी

एक अद्वितीय पहल के अंतर्गत मंत्रालय ने क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय (डीएफपी), जो सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत एक मीडिया यूनिट है, के साथ भागीदारी की है, ताकि देश के विभिन्न जिलों में मिड–मीडिया और अंतर–वैयक्तिक कार्यकलापों के माध्यम से सरकार की आयुष्मान भारत कार्यक्रम और अन्य चयनित स्कीमों के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके। इससे आयुष्मान भारत – स्वास्थ्य एवं आरोग्य केन्द्र (एबी–एचडब्ल्यूसी) पर जाँच सेवाओं की पहुँच बनाकर अन्य के अलावा, गैर–संचारी रोग अर्थात् मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा कैंसर इत्यादि से लड़ने के लिए निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य परिचर्या के संबंध में जानकारी का प्रचार–प्रसार होगा। राज्य सरकारों के साथ–साथ भागीदार एजेंसियों ने जागरूकता में वृद्धि करने और उच्च प्राथमिकता वाले जिलों में लोगों के बीच स्वस्थ रहने की भावना को शामिल करने में बड़ी सफलता हासिल करने में योगदान दिया है।

17.4 प्रिंट

आईईसी प्रभाग क्षेत्रीय भाषाओं सहित भारत के सभी प्रमुख समाचार पत्रों में नियमित रूप से विज्ञापन प्रकाशित करता आ रहा है। ऐसे विज्ञापनों का उद्देश्य न केवल सकारात्मक रूख अपनाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना है, अपितु सरकार द्वारा प्रदत्त गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य परिचर्या की उपलब्धता एवं पहुँच के संबंध में जागरूकता पैदा करना और सूचना का प्रचार–प्रसार करना भी है। विश्व जनसंख्या दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, तंबाकू निषेध दिवस आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय दिवसों पर प्रिंट मीडिया के जरिये पूरे देश में स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण संदेश दिये जाते हैं।

प्रभाग द्वारा, पल्स पोलियो अभियान, पीएमएसएमए (प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान), प्रधानमंत्री डायलिसिस कार्यक्रम, अमृत स्टोर, नए एम्स की आधारशिला रखना, एनीमिया मुक्त भारत, आयुष्मान भारत, सरकारी उपलब्धियों के बारे में 'नामुमकिन तो मुमकिन' श्रृंखला इत्यादि प्रारम्भ करने की जानकारी देने के लिए विज्ञापन भी प्रकाशित किए गए।

समाचार–पत्रों में विज्ञापन के अलावा, आईईसी प्रभाग, ने स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण मामलों के बारे में जानकारी का प्रचार–प्रसार करने एवं जागरूकता बढ़ाने के लिए इश्तहार/पुस्तिकाएं प्रकाशित की हैं। स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न स्कीमों के बारे में एक ई–पुस्तक भी विकसित की गई थी तथा उसे मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड किया गया था।

17.5 टेलीविजन

आईईसी प्रभाग अपने लक्षित श्रोताओं में व्यापक रूप से सकारात्मक स्वास्थ्य संदेश पहुंचाने के लिए इस माध्यम का प्रयोग करता रहा है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इस मंत्रालय की नीतियों, कार्यक्रमों तथा स्कीमों के बारे में झलकियों (स्पॉट्स)/विज्ञापनों के प्रसारण हेतु दूरदर्शन (प्रसार भारती) के साथ 50.00 करोड़ रू. की प्रतिबद्धता के साथ 300 प्रतिशत बोनस एयर टाइम के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। हस्ताक्षरित समझौते का उपयोग राष्ट्रीय नेटवर्क पर तथा 300 प्रतिशत बोनस एयर टाइम का उपयोग राज्यों में दूरदर्शन के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से किया गया था। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य मंत्रालय की नीतियों, कार्यक्रमों और स्कीमों की जानकारी निचले स्तर तक पहुँचाना था। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ही केवल ऐसा मंत्रालय है, जिसने प्रसार भारती के साथ ऐसा समझौता किया है, जिससे इसके स्वास्थ्य संदेशों के प्रचार के लिए दूरदर्शन के व्यापक नेटवर्क का उपयोग करने में सहायता मिली है।

दूरदर्शन ने राष्ट्रीय नेटवर्क पर और क्षेत्रीय चैनलों के माध्यम से विभिन्न अवसरों पर प्रजनन बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) तथा गैर–प्रजनन बाल स्वास्थ्य के संबंध में झलकियां (स्पॉट्स) भी प्रसारित की हैं। दूरदर्शन और रेडियो पर क्षयरोग, तम्बाकू, वैक्टर जनित बीमारियों, इत्यादि के अलावा

आयुष्मान भारत, मिशन इंद्रधनुष, गहन एमआई, परिवार नियोजन, गहन अतिसार नियंत्रण पखवाड़ा, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह तथा अनन्य स्तनपान के बारे में झलकियां (स्पॉट्स) प्रस्तुत की थीं।

मंत्रालय ने श्रोताओं के लिए नीतियों, कार्यक्रमों तथा स्कीमों के संबंध में जानकारी को अद्यतन करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के सीधे प्रसारण हेतु दूरदर्शन केन्द्र, प्रसार भारती की सेवाएं भी प्राप्त की हैं। मंत्रालय ने लोक सभा चैनल के माध्यम से सप्ताह में एक बार सायं 5.00 से 6.00 बजे तक "स्वस्थ भारत" नामक एक घंटे के कार्यक्रम के प्रोड्क्शन और प्रसारण का समन्वय भी किया है।

गैर–संचारी रोगों, मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, किशोर स्वास्थ्य और प्रतिरक्षण तथा स्वास्थ्य के अन्य मामलों के संबंध में महत्वपूर्ण मुद्दों पर डीएवीपी के माध्यम से समय–समय पर सैटेलाइट चैनलों, डिजिटल सिनेमा और एफएम चैनलों तथा सामुदायिक रेडियो के जरिए निम्नतर स्तर पर झलकियों (स्पॉट्स) का प्रसारण भी किया गया।

आयुष्मान भारत, टीकाकरण, बाल एवं मातृ स्वास्थ्य, टीबी, वेक्टर जनित रोगों इत्यादि जैसे स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न मामलों के बारे में श्रोताओं से सीधे जुड़ने के लिए प्रसार भारती एवं लोक सभा टीवी पर पैनल चर्चाएं एवं फोन–इन कार्यक्रम प्रसारित किए गए हैं। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों/स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ इन कार्यक्रमों में भाग लिया।

17.6 रेडियो

मंत्रालय ने स्वास्थ्य संबंधी सभी मामलों पर झलकियों के प्रसारण के लिए 50 करोड़ रुपए की राशि अनुमोदित की है। इन कार्यक्रमों को प्राइमरी चैनलों/स्थानीय रेडियो स्टेशनों, विविध भारती, क्षेत्रीय समाचार, एफएम गोल्ड पर समाचार बुलेटिन, मन की बात तथा दिल्ली से राष्ट्रीय समाचार प्रसारण में राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रातः एवं सायंकाल में प्रसारित किया गया था।

क्षय रोग, एबी–एचडब्ल्यूसी, खसरा–रुबेला टीकाकरण, डेंगू और चिकुनगुनिया आदि के बारे में लोगों को जागरूक करने हेतु प्राईवेट रेडियो स्टेशनों तथा आकाशवाणी के एफएम चैनलों पर कैची रेडियो जिंगल्स का प्रसारण किया गया। अन्य बातों के साथ–साथ लक्षणों, स्वयं को बचाने के तरीकों तथा विभिन्न रोगों के मामले मे सामयिक चिकित्सा हस्तक्षेप की आवश्यकता के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई थी।

रेडियो पर नियमित प्रसारण कार्यकलापों के अलावा, आईईसी प्रभाग ने स्वस्थ व्यवहारों को प्रोत्साहित करने तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की स्कीमों और कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए रेडियो जौकिज़ (आरजे) को आकर्षित करने हेतु तीन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। पहली कार्यशाला का आयोजन दिल्ली में 03 जुलाई, 2018 को किया गया था, जिसकी अध्यक्षता सचिव (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण) ने की तथा सभी संयुक्त सचिवों ने इसमें भाग लिया था; दूसरी कार्यशाला का आयोजन 23 अगस्त, 2018 को भुवनेश्वर (ओड़िशा) में दक्षिण और पूर्वी भारत के आर.जे. के लिए किया गया था। इन कार्यशालाओं में ऑन–द–स्पॉट रेडियो कार्यक्रम विकसित करने के लिए कार्यक्रम अधिकारियों का आरजे के साथ परस्पर वार्तालाप शामिल था, जिसका बाद में आरजे द्वारा अपने–अपने संबंधित चैनलों पर उपयोग किया जाएगा। तीसरी कार्यशाला पार्टनर्स फोरम के लिए एक पूर्वगामी कार्यशाला थी तथा उसमें आरजे को वैश्विक कार्यक्रमों में चर्चा किए जाने वाले विषयों पर उनके स्वयं के प्लेटफार्मों के माध्यम से जागरूकता फैलाने हेतु नियोजित किया गया था। इससे बैठकों के साथ–साथ आरएमएनसीएच के क्षेत्र में व्यापक मामलों के बारे में भी व्यापक जागरूकता का सृजन करने में मदद मिली।

17.7 बाह्य प्रचार

सम्प्रेषण की ओर चहुँमुखी पहुँच के भाग के रूप में, मंत्रालय के विभिन्न स्वास्थ्य मामलों एवं स्कीमों के संबंध में जागरूकता का सृजन करने हेतु बाहरी प्रचार का उपयोग किया गया है। एबी–एचडब्ल्यूसी, टीकाकरण, पीएमएसएमए, प्रधानमंत्री डायलिसिस कार्यक्रम के लिए अभियान चलाए गए हैं।

17.8 विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय (डीएवीपी)

डीएवीपी ने प्रिंट, आउटडोर, टीवी तथा रेडियो सहित इसके विभिन्न अभियानों के लिए मीडिया योजनाएं बनाकर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की सहायता की है।

17.9 सोशल मीडिया

मंत्रालय द्वारा सोशल मीडिया का उपयोग कार्यक्रमों की कवरेज तथा लोगों में स्वास्थ्य संबंधी संदेशों के प्रचार–

प्रसार करने का लिए किया जा रहा है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय फेसबुक, ट्विटर और यू–ट्यूब जैसी सभी तीनों लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का उपयोग करता है। स्वास्थ्य से संबंधित विडियो को नियमित रूप से यू–ट्यूब पर अपलोड किया जा रहा है जिनके लिंक को उनके ट्विटर हैंडल के जरिए ट्वीट किए जाने के साथ–साथ उसकी व्यापक पहुँच के लिए फेसबुक पर साझा किया जाता है। मंत्रालय के यू–ट्यूब चैनल में लघु फिल्मों, वीडियो अपडेट तथा माननीय प्रधानमंत्री और माननीय स्वास्थ्य मंत्री के भाषणों सहित 160 से अधिक वीडियो का व्यापक संकलन है। इसे 37 लाख से अधिक लोग देख चुके हैं। यू–ट्यूब प्लेटफॉर्म का उपयोग कार्यक्रमों अर्थात् माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पार्टनर्स फोरम–2018 के उद्घाटन के सीधे प्रसारण के लिए भी किया जाता है।

जुलाई, 2018 में प्रारंभ हुए फेसबुक पेज पर संदेश पोस्ट करने और उन्हें देखने वालों की संख्या लाखों में होने के साथ ही मंत्रालय के फेसबुक पेज के 1.19 लाख से अधिक फॉलोवर हैं। मंत्रालय के ट्वीटर हैण्डल पर मार्च, 2019 तक फॉलोवरों की संख्या 10.31 लाख से अधिक थी। इस वर्ष आयुष्मान भारत, नेमी टीकाकरण, क्षयरोग, पोषण, अंग और रक्तदान के लिए सूचनापरक अभियान चलाए गए थे, जिनमें हाथ धोने, एबी–एचडब्ल्यूसी में गैर–संचारी रोगों की जाँच कराने, स्वस्थ आहार, पोषण तथा आहार पुष्टिकरण इत्यादि जैसे स्वास्थ्य से संबंधित क्रियाकलापों के प्रति व्यवहार परिवर्तन को शामिल किया गया था। मंत्रालय की आयुष्मान भारत, नए एम्स, मंत्रिमंडल के निर्णयों, मिषन इंद्रधनुष, क्षयरोग कार्यक्रम के अंतर्गत पोषण हेतु वित्तीय सहयोग तथा मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया, ज़ीका इत्यादि जैसी वेक्टर जनित बीमारियों के लिए जन जागरूकता का सृजन करने के साथ नए टीकों जैसी उपलब्धियों के बारे में सूचना को भी साझा किया गया है।

इन प्लेटफॉर्मों के अतिरिक्त, आईईसी प्रभाग द्वारा मेरी सरकार प्लेटफॉर्म पर अनेक कार्यकलाप चलाए गए। 2018–19 की अवधि में भारी जनसमूह को एकत्र करने संबंधी कार्यकलाप किए गए। मुख्य कार्यकलाप थेः आयुष्मान भारत कार्यक्रम के नाम और लोगों के लिए जन–समूह एकत्र करना, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों के नाम के लिए जन–समूह एकत्र करना, गैर–संचारी रोगों से लड़ने के लिए स्वस्थ सैल्फी प्रतियोगिता, बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए व्यक्तिगत कहानियों को साझा करना, व्यापक युवा गीत लेखन प्रतियोगिता एबी–एचडब्ल्यूसी पर उपलब्ध पोल ऑन सर्विसेज़ इत्यादि।

17.10 कार्यक्रमों में भागीदारी

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 18 से 22 जनवरी, 2019 तक आयोजित किए गए 9वें वाइब्रांट गुजरात ग्लोबल ट्रेड शो–2019 में सफलता पूर्वक भाग लिया। पैविलियन का विषय था 'आयुष्मान भारत' (एबी)। एबी के दो घटकों अर्थात् स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) तथा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) को एनएचएसआरसी तथा एनएचए के सहयोग से पैविलियन में प्रदर्शित किया गया था। हजारों की संख्या में आम लोगों द्वारा पैविलियन में आने के अलावा श्री ए.के. चौबे, माननीय राज्यमंत्री (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण) तथा सुश्री प्रीति सूदन, सचिव (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण) सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पैविलियन का दौरा किया गया तथा उसकी प्रशंसा की गयी।